मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के बुनियादी ढांचे के विस्तार और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के कार्यों की सराहना की।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में किए गए विकास कार्य आने वाले समय में राज्य की प्रगति में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।
- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।
- केंद्र सरकार ने आयकर नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। नए नियम पहली अप्रैल से प्रभावी होंगे।
- और, देशभर में आज ईद–उल–फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

'जन–जन की सरकार, चार साल बेमिसाल'

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि उत्तराखंड के बुनियादी ढांचे के विस्तार, पर्यटन को नई दिशा देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे क्षेत्रों में राज्य सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। वे आज हल्द्वानी में प्रदेश सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और इसकी आस्था व संस्कृति को सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है और राज्य में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

अपने भाषण में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व संकट के दौर से गुजर रहा है और कई क्षेत्रों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी हमले न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय हैं। श्री सिंह ने कहा कि भारत ने इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट रुख रखते हुए संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान निकालने पर जोर दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बीते 4 वर्षों में उत्तराखण्ड ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। श्री धामी ने कहा कि ये वर्ष राज्य की प्रगति में मील का पत्थर सिद्ध होंगे और विकसित उत्तराखण्ड के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मजबूत आधार तैयार करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देश के विकास के लिए अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आज देहरादून में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि इस संतुलन को स्थापित करने के लिए विज्ञान आधारित दृष्टिकोण पर कार्य करने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने प्रकृति संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और उपलब्धियों को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने संरक्षण प्रयासों में 'नेचर–फर्स्ट' दृष्टिकोण की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित सह–अस्तित्व की भावना अपनाकर ही पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखा जा सकता है। सोशल मीडिया ट्वीट संदेश में श्री यादव ने बताया कि देश का वन क्षेत्र वर्ष 2014 में 7 लाख 1 हजार 673 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2026 में 7 लाख 15 हजार 342 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

चारधाम यात्रा तैयारी

प्रदेश का खाद्य संरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में 15 दिन का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि इस अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के साथ ही व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। आकाशवाणी से बातचीत में उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को चारधाम यात्रा मार्गों पर मिलावटखोरी रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए प्रमुख पड़ावों, बाजारों और कस्बों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अपर आयुक्त ने बताया कि अभियान के दौरान 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील' मोबाइल वैन के माध्यम से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच की जाएगी।

आयकर नियम

केंद्र सरकार ने आयकर नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। ये नियम, पहली अप्रैल से प्रभावी होंगे। नए नियमों का उद्देश्य अनुपालन को बढ़ाना और नियमों की संख्या कम करके कर प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि नए नियमों के तहत, कंपनियों को शेयर रजिस्टर रखने, आम बैठकें आयोजित करने और लाभांश का भुगतान केवल देश के भीतर ही करना होगा।

चैत्र नवरात्रि

आज पावन चैत्र नवरात्रि के तृतीय दिवस पर श्रद्धालु मां चंद्रघंटा की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर रहे हैं। श्रद्धालु व्रत रखकर मां से सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां चंद्रघंटा की आराधना से भय, कष्ट और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा साहस और आत्मबल में वृद्धि होती है।

ईद–उल–फितर

देशभर के साथ ही प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज ईद–उल–फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान हरिद्वार, चंपावत, उधमसिंह नगर और देहरादून की मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर अमन, शांति और खुशहाली की दुआ की। ईद के अवसर पर घरों में सेवइयों समेत कई पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। यह त्योहार समानता, दया और सहयोग का संदेश देता है। ईद–उल–फित्र, रमज़ान के महीने के समापन का प्रतीक है। इसमें मुसलमान, रोज़ा रखकर आत्म–संयम और इबादत करते हैं।

मौसम

राजधानी देहरादून में आज सुबह मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद से आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं। अन्य मैदानी जिलों में मौसम सामान्यतः साफ बना हुआ है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मूसलाधार बारिश और चारधाम सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात के कारण प्रदेश में ठंडक बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं–कहीं हल्की बारिश की संभावना है। साथ ही, तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का भी अनुमान है।

वहीं, देहरादून, नैनीताल और टिहरी जिलों में भी हल्की बारिश के आसार हैं, जबकि शेष जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।